कारक

कारक

- कर्ता (ने)
- कर्म (को)
- करण (से | के द्वारा)
- सम्प्रदान (के लिए)
- अपादान (से) अलग
- सम्बन्ध (का, की, के)
- अधिकरण (में, पर)
- सम्बोधन (हे! ओ! अरे!)

परिभाषा - वाक्य में जिस शब्द का सम्बन्ध सीधे क्रिया से होता है उसे कारक कहते हैं।

कारक चिह्न को परसर्ग के नाम से भी जाना जाता है।

परसर्ग → चलना

→ बाद में

कारक के आठ भेद/प्रकार होते हैं।

नोट : आचार्य किशोरी दास वाजपेयी के अनुसार कारक के 6 भेद होते हैं। क्योंकि इन्होनें सम्बन्ध और सम्बोधन कारक का सम्बन्ध क्रिया से नहीं माना है।

1. कर्ता कारक – वाक्य में काम करने वाले को कर्ता कारक कहते हैं। अथवा वाक्य में क्रिया का फल स्वयं कर्ता में ही हो।

विभक्ति - ने

- हिरन भागता है।
- पक्षी उड़ता है।
- श्याम दौड़ रहा है।
- वृन्दा ने गाना गाया।
- शान्ता नाचती है।
- रवि ने छींका।
- अजय ने अखबार पढ़ा।
- मोहन ने पत्र पढ़ा।

2. कर्म कारक – जिस पर क्रिया का प्रभाव पड़े उसे कर्म कारक कहते हैं। अथवा

वाक्य में क्रिया का प्रभाव या फल कर्ता को छोड़कर कर्म पर पड़े।

विभक्ति - को

चिह्न

- श्रीकृष्ण ने कंस को मारा।
- मोहन ने चोर को पकड़ा।
- शिकारी शेर को देखता है।
- मोहन ने साँप को मारा।
- लोगों ने शोरगुल करके डाकुओं को भगाया।
- राम ने करन को पत्र लिखा।
- उसने सुनील को पढ़ाया।

माँ ने घोड़े को पानी पिलाया।

राम ने योगेश को समझाया।

- **अपवाद** – की ओर, तीनों ओर, चारों ओर, दोनों तरफ, वार, तिथि बताने के संबध में

जैसे – तुम्हारे घर के चारों ओर पानी भरा है।

मेरे गाँव के तीन तरफ रेल की पटरी है।

मैं अमवस्या को व्रत रखता हूँ।

सड़क के दोनों और लाईट लगी है।

कर्म कारक

3. करण कारक – संज्ञा अथवा सर्वनाम के जिस रूप से क्रिया का साधन सूचित होता है। उसे करण कारक कहते हैं।

↓
साधन

अथवा

जिसकी सहायता से कर्ता कुछ कार्य करता है।

इसमें अंग-भंग वाले वाक्यों का प्रयोग भी होता है।

विभक्ति - से | के द्वारा

- जैसे – अर्जुन ने जयद्रथ को बाण से मारा।
- गीता ने सुनीता को चाकु से मारा।
- वह एक पैर से लंगड़ा हूँ।
- सुरेश हाथ से बाजा बजाता है।
- मैं एक आँख से काना हूँ।
- श्याम गेंद से खेलता है।
- मोहन सारी जानकारी पुस्तकों से लेता है।
- मैं कलम से लिखता हूँ।
- मजदूर ने मिट्टी को फावड़े से खोदा।

- वह रेलगाड़ी से आया है। → साधन
- रवि ने अपनी पत्नी के द्वारा खाना बनवाया। → साधन
- उसने पुस्तक नौकर के द्वारा भिजवाई। → साधन
- सज्जनों की संगति से बुद्धि सुधरती है। → साधन
- महेश ने रस्सी से बोरा बाँधा। → साधन
- शिकारी ने शेर को बन्दूक से मारा। → साधन
- बच्चा बोतल से दूध पीता है। → साधन
- कंजिका ने तूलिका से चित्र बनाया। → साधन

कर्ता
कर्म
करण
— डाउट

4. **सम्प्रदान कारक** – जिसके लिए कुछ किया जाये या जिसको
↳ देना
कुछ दिया जाये इसका बोध कराने वाले शब्द सम्प्रदान
कारक के अन्तर्गत आते हैं।

विभक्ति - के लिए | के वास्ते

- जैसे – रोगी के वास्ते दवा लाओ।
- करन मोहन के लिए बॉल लाता है।
- राम भिखारी को दान देता है।
- राम के हित लक्ष्मण वन गये थे।
- मेरे निमित्त ही ईश्वर की कोई कृपा नही।
- मीरा ने अर्चना को कलम दिया।
- पिताजी विवेक के लिए कम्प्यूटर लाए।
- तुलसी के वास्ते ही जैसे राम ने अवतार लिया।
- स्वास्थ्य के लिए सूर्य नमस्कार करो।

पिताजी को सादर नमस्कार है।

भूखे को भोजन दो।

ईश्वर ने सुनने को दो कान दिये है। → के लिए

हरि मोहन को रुपये देता है।